Item No.9 (Court No. 2)

BEFORE THE NATIONAL GREEN TRIBUNAL
PRINCIPAL BENCH, NEW DELHI

(Through Physical Hearing with Hybrid VC Option)

Original Application No. 418/2023
(I.A. NO 71/2024)

IN THE MATTER OF:

1. Nirmal Kumar Tripathi,
Resident of Kheera Ram Road,
Behind Amethi Mandir,
Deoria, Uttar Pradesh. ...Applicant

VERSUS

1. State of Uttar Pradesh,
Through Secretary, Environment, Government of Uttar Pradesh,
Paryavaran Bhawan, Jorbagh, New Delhi.
(Email: secy-moef@nic.in/ csup@nic.in)

2. Executive Officer, Municipal Council, Deoria,
Nagar Palika Parishad Deoria. Nagar Palika Road, Deoria.
(Email: eonppdeo@gmail.com/dmdeo@nic.in)

3. Executive Engineer, PWD, Deoria,
Hospital Road, Saket Nagar, Deoria, Uttar Pradesh 274807.
(Email: eenhDeoria@gmail.com/
eetwmdlidupde-up@nic.in)

4. DFO, Deoria,
Kachahari-Ramnath Deoria, Ram Naath Nagar,
Deoria, Uttar Pradesh-274001,
(Email: pccf-up@nic.in)

5. District Magistrate, Deoria,
Collectorate Campus, Deoria.
(Email: dmdeo@nic.in)

6. Uttar Pradesh Pollution Control Board,
Through its Member Secretary,
Building.No. TC-12V, Vibhuti Khand,
Gomti Nagar, Lucknow-226010.
(Email : ms@uppcb.in) ...Respondents

Counsel for Appellant:

None for the applicant.

Counsel for Respondent:

Mr. Bhanwar Pal Singh Jadon and Mr. Hardik Saxena (Physically) and Mr. Ankit Verma (through VC), Advocates for Respondents No. 1 to 5.

Mr. Arvind Kumar, Advocate for respondent no. 6-UPPCB (through VC).

PRESENT:

HON'BLE MR. JUSTICE ARUN KUMAR TYAGI, JUDICIAL MEMBER
HON'BLE DR. AFROZ AHMAD, EXPERT MEMBER

Judgment Reserved on:- 09.02.2024

Judgment pronounced on :- 09.04.2024

Application is registered based on a letter petition received by Post.

Judgment

PRONOUNCED BY: HON'BLE MR. JUSTICE ARUN KUMAR TYAGI, JM

1. Mr. Nirmal Kumar Tripathi resident of Kheera Ram Road behind Amethi Mandir, Deoria, Uttar Pradesh has sent the present letter petition to this Tribunal by post, which has been treated and registered as original application, complaining about causing of environmental pollution by Jal Nigam in the course of digging of a drain by the side of Deoria – Kheera Ram Road.

2. The applicant has submitted that earth is being excavated for digging of the drain in violation of environmental norms which is causing dust pollution. The agency carrying out the work is not using protective net and is not sprinkling water. The trees standing on the road side have been cut but no compensatory afforestation has been done. The residents of the locality are facing problems in breathing due to dust pollution. The relevant part of the letter petition sent by the applicant is reproduce as under:-

"सादर आपका ध्यान हम खोरा राम रोड पर नाले की खुदाई में स्थानिय अधिकारियों के देख रेख में बड़े स्तर पर प्रदूषण को बढ़ावा दिया जा रहा है नाला खुदाई 10 फिट से उपर से नीचे मिट्टी निकली जा रही मिट्टी निकासी मशीन से किया जा रहा . मिट्टी से एवं *R.C.C* निर्माण होने से आस पास के लोगों को भरी धूल से पूरा शरीर भर जा रहा निर्माण करने वाली एजेंसी न तो व्यवस्थित नेट प्रयोग करवा रही है ओर ना ही पानी का छिड़काव करवा रही है. विभाग द्वारा बड़ी स्तर पर रोड साइड लेंड पर पर लगे बड़ी संख्या में वृक्ष कटवाकर कहीं भी आस पास वृक्षारोपण नहीं कारवाई गयी नाली खुदवाई, निर्माण में प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ गयी है सांस लेने के काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

अत: श्रीमान उक्त प्रकरण को संज्ञान में लेकर अविलंब कार्यवाही करें."

3. Vide order dated 31.07.2023, this Tribunal constituted a Joint Committee comprising of UP State PCB and District Magistrate, Deoria with direction to verify the factual position and take appropriate remedial action and submit its Factual and Action taken Report within one month. The relevant part of the order is reproduced below:-

"2. Prima facie, the averments made in the application raise questions relating to environment arising out of the implementation of the enactments specified in Schedule I to the National Green Tribunal Act, 2010. In view of the averments made in the application, we consider it appropriate that a Joint Committee be constituted to verify the factual position and take appropriate remedial action. Accordingly, we constitute a Joint Committee comprising of UP State PCB and District Magistrate, Deoria and direct the same to meet within one week, undertake visits to the site, look into the grievances of the applicant, associate the applicant and representative of the concerned project proponent, verify the factual position and take appropriate remedial action by following due course of law and giving opportunity of being heard to the project proponent. The State PCB will be the nodal agency for coordination and compliance.

3. Factual and Action taken Report may be submitted within one month by e-mail at judicial-ngt@gov.in preferably in the form of searchable PDF/OCR Supported PDF and not in the form of Image PDF…."

4. In compliance thereof, report of the Joint Committee has been filed by Mr. R. K. Singh, Chief Environmental Officer, Circle 6, UPPCB, Lucknow vide email dated 29.08.2023. The relevant part of the report of the Joint Committee is reproduced below:-

"माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण नई दिल्ली में योजित ओ०ए० संख्या *418/2023* निर्मल कुमार त्रिपाठी बनाम स्टेट आफ यू०पी० में पारित आदेश दिनांक *31* जुलाई, *2023* के अनुपालन में संयुक्त जॉच आख्या

उक्त पारित आदेश के अनुपालन के अनुकम में संयुक्त जॉच हेतु जिलाधिकारी महोदय देवरिया द्वारा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) को तथा उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड लखनऊ के पत्रांक एच *98816/*सी-*6/*सा*0-788/*ओ०ए० नं*0 418/2023* दिनांक *03.08.2023* द्वारा अनिल कुमार शर्मा क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गोरखपुर को नामित किया गया। पत्र अभिलेख की छाया प्रति संलग्न है। (संलग्नक-*1)*

शिकायती स्थल की संयुक्त जाँच दिनांक *26.08.2023* को उत्तर प्रदेश जल निगम के अवर अभियन्ता श्री रामकोमल चौधरी एवं श्री अनिल कुमार गौंड़ तथा शिकायतकर्ता श्री निर्मल कुमार त्रिपाठी की उपस्थिति में किया गया। स्थलीय निरीक्षण एवं अभिलेखों के अवलोकनोपरान्त निम्न तथ्य प्रकाश में आये।

1- शिकायती स्थल जनपद-देवरिया के नगरीय क्षेत्र कुर्ना नाला से कतरारी मोड़ तक निर्माणाधीन नाले के संदर्भ में है, जिसका अक्षांश *26.500503 N* एवं देशांतर- *83.743628 E* से अक्षांश *26.494135 N* एवं देशांतर- *83.762333 E* तक पाया गया।

2- प्राप्त अभिलेखों के अनुसार उक्त नाले का निर्माण उत्तर प्रदेश सरकार की राज्य सेक्टर के सिवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद देवरिया, देवरिया हेतु स्टार्म वाटर ड्रेनेज के निर्माण हेतु क्षेत्र में जल भराव की समस्या की निदान हेतु जल निकासी हेतु नगर विकास अनुभाग-*5* के पत्रांक संख्या *143/2021/8251/*नौ-*5-2021-61*बजट*/2020* दिनांक *22* अक्टूबर, *2021* द्वारा प्रबन्ध निदेशक उत्तर प्रदेश जल निगम लखनऊ के पक्ष में प्राप्त आवंटन एवं स्वीकृति के उपरान्त उत्तर प्रदेश जल निगम देवरिया (नगरीय) इकाई द्वारा किया जा रहा है। आवंटन पत्र की कापी संलग्न है। (संलग्नक-*2)*

3- उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) देवरिया द्वारा प्राप्त आवंटन /आदेश के अनुकम में जनपद-देवरिया में कुर्ना नाला से कतरारी मोड़ होते हुए हनुमान मन्दिर तक एस०बी०आई० बैंक से रामनाथ देवरिया होते हुए शहीद गेट, परिजात स्टेशनरी से समृद्धि लान होते हुए कचहरी तक, पुलिस लाईन दुर्गा मन्दिर से मेन रोड तक, निरीक्षण भवन पी०डब्लू०डी० से मेन रोड तक, मेडिकल कालेज के अन्तिम छोर से मेन रोड तक कुल लम्बाई *8.575* कि*0*मी*0,* निर्माण किया जाना स्वीकृत है, जिसमें कुर्ना नाला से कतरारी मोड़ तक *2200* मीटर तथा पुलिस लाईन दुर्गा मन्दिर से मेन रोड तक *650* मीटर एवं मेडिकल कालेज के अन्तिम गेट से मेन रोड तक *350* मीटर (कुल लम्बाई *3200* मीटर) का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शिकायती स्थल पर उक्त

नाले का निर्माण कार्य दिनांक *07* जनवरी, *2022* से प्रारम्भ किया गया है। शेष कार्य किया जाना बाकी है।

4- उक्त नाला खुदाई से निकलने वाली मिट्टी को सड़क मार्ग के विपरीत, नाले की दूसरी तरफ तथा कहीं-कहीं सड़क की तरफ भी रखा गया है, जिसका प्रयोग नालों के दोनो साईड के खुदान की गैप को भराव हेतु प्रयोग में लाया गया है। सम्बन्धित सड़क मार्ग पर मिट्टी भराव से बची हुई मिट्टी कहीं-कहीं रखी पायी गयी है, जो वर्षा के कारण परिवहन मार्ग पर बिखरी हुई है। निरीक्षण के समय वर्षा का मौसम होने के कारण सड़क से धूल का उत्सर्जन होता नहीं पाया गया, परन्तु वर्षा सीजन बन्द होने तथा जल छिड़काव न किये जाने पर मार्ग पर परिवहन से धूल का उत्सर्जन होना स्वभाविक है। स्थल के लिए फोटोग्राफ संलग्न है।

5- नाला निर्माण स्थल पर पूर्व से स्थापित वृक्ष / पेड़ जो कि नाला प्रवाह मार्ग में आ रहे थे, जिसकी संख्या *58* अवगत कराई गयी है, को प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, देवरिया के पत्रांक *1111/7-3* देवरिया दिनांक *05* नवम्बर, *2022* द्वारा निर्गत पेड़ काटने की अनुमति प्राप्त कर वन निगम गोरखपुर द्वारा काटा गया है तथा वन विभाग के शर्तों के अनुसार काटे गये वृक्षों के समानुपात में वृक्षारोपण किये जाने हेतु प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग, देवरिया द्वारा दिये गये प्राक्कलन के अनुसार देय धनराशि रू*0 10,47,340.00* का भुगतान वन विभाग को किया गया है, जिसका प्रयोग *580* पौधों को लगाने एवं उसकी रख रखाव मद में आने वाले खर्च के अनुरूप वन विभाग द्वारा किया जायेगा। वृक्ष कटान हेतु प्राप्त अनुमति तथा प्राप्त प्राक्कलन की प्रति की छाया प्रति संलग्नक-*2* के रूप में संलग्न है।

6- निरीक्षण के समय वर्षा का मौसम होने के कारण नाला निर्माण का कार्य नहीं होता पाया गया। उपस्थित उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि निर्माण अवधि में नियमानुसार नाला खुदाई एवं निर्माण हेतु लागू नियमों के अनुसार नाला निर्माण क्षेत्र में बैरिकेटिंग, ग्रीन नेट एवं जल छिड़काव का कार्य किया जाता रहा है, जिससे दुर्घटना एवं धूल उत्सर्जन का नियंत्रण हो सके। उक्त परिप्रेक्ष्य में जल निगम द्वारा उपलब्ध कराये गये फोटोग्राफ संलग्न है।

7- निरीक्षण के समय वर्षा सीजन होने के कारण धूल उत्सर्जन की समस्या विद्यमान नहीं पायी गयी। निर्माण स्थल के सडक मार्ग के किनारे निस्तारित मिट्टी को हटाने के लिए उपस्थित जल निगम के प्रतिनिधि को निर्देशित किया गया है। स्थल के अद्यतन फोटोग्राफ संलग्न है। संलग्नक *4*

8- निरीक्षण के समय उपस्थित शिकायतकर्ता श्री निर्मल कुमार त्रिपाठी द्वारा अवगत कराया गया कि निर्माण अवधि में नाला निर्माण के समानान्तर चल रही सड़क मार्ग पर जगह-जगह मिट्टी निस्तारित की गयी थी, जिसको वर्तमान में हटा दिया गया है परन्तु निर्माण अवधि में वाहनों के आवागमन से

धूल उत्सर्जन उत्पन्न हो रहा था, तथा काटे गये वृक्षों की संख्या प्राप्त लाईसेंस से अधिक है। परन्तु इसका कोई अभिलेख प्रस्तुत नही किया गया। जल निगम प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि कटान किये जाने वाले वृक्षों की संख्या का निरीक्षण एवं निर्धारण स्वयं वन विभाग एवं जल निगम की संयुक्त टीम द्वारा किया गया है अतः शिकायतकर्ता की शिकायत निराधार है।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि उक्त नाला निर्माण का कार्य नगर पालिका क्षेत्र में जल भराव की समस्या के समाधान हेतु उत्तर प्रदेश सरकार की जनहित में नियोजित योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) द्वारा उपरोक्त वर्णित आवंटन के आधार पर किया जा रहा है। अतः कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) देवरिया को पर्यावरणीय नियमों के अनुपालन सुनिश्चित रखते हुए शेष नाला का निर्माण का कार्य किया जाना जनहित में होगा।"

5. Vide order dated 11.09.2023, State of Uttar Pradesh through Secretary, Environment, Government of Uttar Pradesh; Executive Officer, Municipal Council, Deoria; Executive Engineer, PWD, Deoria; DFO, Deoria; District Magistrate, Deoria and UPPCB were impleaded as respondents No. 1 to 6 and notices were ordered to be issued to them.

6. Consequent to service of notice replies have been filed by respondent no. 5-District Magistrate, Deoria vide email dated 19.11.2023 and by respondent no. 6-UPPCB vide email dated 18.11.2023.

7. The relevant part of the reply filed by the respondent no. 5-District Magistrate, Deoria vide letter dated 19.11.2023 is reproduced below:-

"Response on behalf of Respondent No.-5, District Magistrate, Deoria in compliance to the order dated 11.09.2023 passed by Hon'ble NGT Principal Bench, New Delhi in Original Application No. 418 of 2023 In the matter of Nirmal Kumar Tripathi Versus State of U.P. & Others

X X X X

Response

1. That the Hon'ble National Green Tribunal, Principal Bench, New Delhi vide its order dated 11.09.2023 in Original Application No. 418 of 2023 In matter of Nirmal Kumar Tripathi Versus State of U.P. & Ors. has seek a factual report from a joint Committee regarding the construction of Pucca Nala in Nagar Palika Municipal area of District Deoria.

In compliance to the above direction the inspection of alleged construction site was carried out by joint committee on 26.08.2023 in present of the complainer Sri Nirmal Kumar Tripathi, comprising following officials:-

1. Sri Gaurav Srivastav, A.D.M.(E), Deoria.

2. Sri Anil Kumar Sharma, Regional Officer, U.P.P.C.B., Gorakhpur.

Joint Committee Report has been already submitted to ceo-6, U.P.P.C.B, Lucknow by the UPPCB, Gorakhpur on 28.08.2023 vide letter no. 522/Sa-332/2023 which is filed on 29.08.2023 to Hon'ble Tribunal, New Delhi by e-mail. A copy of the Joint Committee Report is being attached herewith as Annexure No.-1.

2. In compliance to the order dated 11.09.2023 passed by the National Green Tribunal, Principal Bench, New Delhi in Original Application No. 418/2023, a letter has been issued to respondent no. 1 to 4 and 6 along with copy of the order dated 11.09.2023 for submission of response and ensure to remain their presence on hearing dated 22.11.2023 in Hon'ble N.G.T. Copy of letter enclosed as annexure no. 2

The above response of the District Magistrate, Deoria is placed before this Hon'ble National Green Tribunal for perusal and kind consideration."

8. In the reply filed by Mr. Anil Kumar Sharma, Regional Officer, UPPCB, Gorakhpur has mentioned that the construction site of storm water drainage was visited by Regional Office on 17.11.2023 and copy of the inspection report has been enclosed as annexure 3. The relevant part of the Annexure 3 is reproduced below:-

*"**Annexure 3***

Status Report of Construction site of storm water drainage of municipal area deoria by U.P. Jal Nigam (Urban), Deoria in compliance of the order passed by Hom'ble N.G.T. in O.A. No. 418/2023 Nirmal Kumar Tripathi V/s State of U.P. dated 11.09.2023.

The above alleged site is visited by undersigned on dated 17.11.2023 in presence of Sri Ashutosh Kumar Rai, site incharge of U.P. Jal Nigam (Urban), Deoria, the status of the drainage construction work at site is found as below:-

1. No any construction activities are found at the alleged site during the inspection.

2. Construction of storm water drainage from katrati mode to kurna nala approximate 2.0 kilometer has found completed.

3. Extra earth received from digging of nala, placed at road side patri area, are removed from some places and rest are found as it is as visit of dated 26.08.2023, photograph of sites are enclosed."

9. Vide order dated 11.09.2023 personal appearance of Executive Engineer, PWD, Deoria, Executive Officer, Municipal Council Deoria, DFO, Deoria and District Magistrate, Deoria was ordered. In compliance thereof Mr. Akhand Pratap Singh, DM Deoria, Mr. Gaurav Srivastava ADM, Deoria, Mr. Rohit Singh EO, MC and Mr. Jagdish, DFO appeared before this Tribunal through VC and sought time to place action taken reports and photographs regarding the drain in question on record. This Tribunal observed after interacting with the officers that the structure of drain seemed to be wholly inappropriate for the purpose the same is intended to achieve and directed filing of action taken report with study report of IIT, Kanpur on the basis of which the drain was being constructed. The relevant part of the order reads as under: -

> *"6. We have observed after interacting with the officers that the drain in question is meant for draining storm water during monsoon to prevent and control waterlogging in the area but the major portion of the drain is to be concretized on all three sides and is to be covered by slabs on the top. Prima facie, such structure of drain seems to be wholly inappropriate for the purpose the same is intended to achieve as such concretized drain will prevent recharge of ground water and support of aquatic life in the course of drainage and adversely affect subsequent desilting and repair.*
>
> *7. The officers present before this Tribunal through VC have informed that concrete drain is being constructed as per report based on study carried out by the IIT Kanpur.*
>
> *8. We direct Jal Nigam, Deoria and DM, Deoria to file a copy of the report of IIT Kanpur before this Tribunal within one month by e-mail at judicial-ngt@gov.in preferably in the form of searchable PDF/OCR Supported PDF and not in the form of Image PDF…"*

10. While adjourning the matter this Tribunal directed that work may be continued regarding digging of the drain without any further concretization of the same and further orders regarding concretization of the same will be passed after further hearing of the case.

11. In compliance thereof report has been filed by District Magistrate, Deoria vide email dated 19.12.2023. The relevant part of the report of the District Magistrate, Deoria is reproduced below:-

> ***"Response/compliance on behalf of Respondent No.-5 District Magistrate, Deoria in compliance to the order dated 22.11.2023 passed by Hon'ble NGT Principal matter of Nirmal Kumar Tripathi Versus State of U.P. & Others***
>
> *X X X X*
>
> *Response*
>
> *1. That the Hon'ble N.G.T., Principal Bench, New Delhi vide its order dated 22.11.2023 in Original Application No. 418 of 2023 In matter of Nirmal Kumar Tripathi Versus State of U.P. & Ors. has seek a factual report from a joint Committee regarding the construction of Pucca Nala in Nagar Palika Municipal area of District Deoria.*
>
> *In compliance to the above direction the inspection of alleged construction site was carried out by joint committee on dated 26.08.2023 in the presence of the complainer Sri Nirmal Kumar Tripathi.*
>
> *Joint Committee Report has been already submitted to ceo-6, U.P.P.C.B, Lucknow by the UPPCB, Gorakhpur on 28.08.2023 vide letter no. 522/Sa-332/2023 which is filed on 29.08.2023 to Hon'ble Tribunal, New Delhi by e-mail.*
>
> *2. In compliance to the order dated 11.09.2023 passed by the Hon'ble N.G.T., Principal Bench, New Delhi in Original Application No. 418/2023, response/reply has been filed by e-mail on 19.11.2023 and also had present in hearing through V.C. conducted by Hon'ble N.G.T. on 22.11.2023.*
>
> *3. In compliance of the direction given by Hon'ble N.G.T., Principal Bench, New Delhi in Original Application No. 418/2023 on dated 22.11.2023, a copy of technical feasibility report on construction of R.C.C. storm water drainage prepared by Nand and Sons, Distt-Chandauli. U.P. which is counter signed by I.I.T., Kanpur is being enclosed as a annexure no. 1.*
>
> *4. In compliance to the order dated 22.11.2023, the concretization work of the storm water drainage is stopped by U.P. Jal Nigam up to the further hearing of the case in Hon'ble N.G.T. on dated 04.01.2024. The above response of the District Magistrate, Deoria is placed before this Hon'ble National Green Tribunal for perusal and kind consideration*
>
> *ANNEXURE I*
>
> मा0 अभिकरण द्वारा पारित आदेश दिनांक 22.11.2023 के अनुपालन में आवेदक अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (नगरीय), देवरिया द्वारा अतिशय विनाता पूर्वक निम्नलिखित तथ्य प्रस्तुत करता है-
>
> 1- देवरिया शहर में मानसून के दौरान जल भराव तथा जल निकासी Network के Discharge का समुचित प्रबन्ध एवं निकासी न होने के कारण जनपद मुख्यालय स्थित विभिन्न मुख्य कार्यालय- पुलिस लाईन, जज आवास, मेडिकल कॉलेज,

जिलाधिकारी कार्यालय, राज्य अतिथि गृह इत्यादि में Storm Water का जगाव हो जाता है।

2- यह कि जन समान्य को उक्त कठिनाई से मुक्ति हेतु मा० मुख्यमंत्री उ०प्र० की धोषणा संख्या- Y.A.N-07/2020 ग्रा०सं०- GHIIY001207 के क्रम में उ०प्र० शासन द्वारा प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० जल निगम को जल निकासी की परियोजना तैयार कराकर प्राक्कलन उपलब्ध कराने हेतु दिनांक 19.11.2020 को निर्देशित किया गया।

3- यह कि शासन के निर्देशानुसार उक्त परियोजना का विस्तृत प्राक्कलन जल निगम मुख्यालय स्तर पर गठित पी०पी०आर०बी०डी० सेल के पत्र दिनांक 24.05.2021 द्वारा परीक्षित / संस्तुत है, जिसे मुख्य अभियन्ता (नागर), उ०प्र० जल निगम (नगरीय) द्वारा नगर विकास अनुभाग-5, उ०प्र० शासन को दिनांक 25.05.2021 को प्रेपित किया गया। उक्त परियोजना प्रस्ताव अपर मुख्य सचिव, नगर विकास विभाग, उ०प्र० शासन द्वारा अनुमोदित है एवं प्रश्नगत योजना को व्यय वित्त समिति (प्रायोजना रचना एवं मुल्यांकन प्रभाग) राज्य नियोजन संस्थान, उ०प्र०, योजना भवन लखनऊ द्वारा परीक्षित है।

4- यह कि जल निकासी हेतु ड्रेन का Design M/S Ventech Engineers Kanpur द्वारा तैयार किया गया जिसको Prof. Samit Ray Chaudhary, Department of Civil Engineering, IIT Kanpur द्वारा गहन परीक्षण के उपरान्त उपयुक्त पाया गया। जैसा कि Drawing एवं Structural Design Calculation की छायाप्रति से स्पष्ट है।

5- यह कि मा० अभिकरण के आदेश दिनांक 22.11.2023 के अनुपालन में उक्त परियोजना से सम्बन्धित कंक्रीटिंग कार्य पूर्णतया यंद है।

अतः प्रार्थना है कि मा० अभिकरण द्वारा पारित आदेश दिनांक 22.11.2023 के अनुपालन में उपरोक्त तथ्य स्वीकार्य करते हुए जनहित में देवरिया Storm Water Drainage परियोजना का कार्य पूर्ण करने हेतु अनुमति प्रदान किया जाये।"

12. This Tribunal noticed that the District Magistrate, Deoria had, vide letter dated 16.12.2023 (sent vide email dated 19.12.2023), submitted a copy of technical feasibility report on construction of RCC storm water drainage stated to have been prepared by Nand and Sons, District Chandauli, Uttar Pradesh and countersigned by IIT, Kanpur. Copy of the letter dated 16.12.2023 of the Executive Engineer, Jal Nigam, U.P. was enclosed by the District Magistrate, Deoria, in which it was mentioned under para 4 that "यह कि जल निकासी हेतु ड्रेन का Design M/s Ventech Engineers Kanpur द्वारा तैयार किया गया जिसको Prof. Samit Ray Chaudhary,

Department of Civil Engineering, IIT Kanpur द्वारा गहन परीक्षण के उपरान्त उपयुक्त पाया गया।". The report submitted by District Magistrate, Deoria clearly indicated that it had been prepared by private agency and not by IIT, Kanpur and the same was signed by a Professor of IIT, Kanpur in his personal capacity and could not be construed as the report of the IIT Kanpur. The District Magistrate, Deoria and the concerned Executive Engineer, Jal Nigam, Deoria were directed to file additional report regarding the storm water drains already existing and their present operational status and utility in draining storm water and status of the drain under construction with all requisite details.

13. In compliance thereof reply has also been filed by the State of Uttar Pradesh vide email dated 07.02.2024 and additional report has been filed by the District Magistrate, Deoria vide email dated 07.02.2024.

14. In the reply filed on behalf of respondent no. 1-State of Uttar Pradesh, Mr. Ashish Tiwari, Secretary, Environment Forest & Climate Change Department, Government of Uttar Pradesh has submitted that as the order/information of order dated 04.01.2024 was received by the department, on 30.01.2024 the letter was issued by the department to the Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Urban Development/Public Works Department, Uttar Pradesh Government and District Magistrate Deoria to review the order dated 04.01.2024 passed and file the status report/response in consonance of it. The District Magistrate, Deoria and Additional Chief Secretary/Principal Secretary, Urban Development/Public Works Department, Uttar Pradesh Government were directed to take necessary action regarding the storm water drains already existing and their present operational status and

utility in draining storm water and status of the drain under construction with all requisite details in accordance with law.

15. I.A. No. 71/2024 has been filed by State of Uttar Pradesh for waiver of the cost imposed by this Tribunal vide order dated 04.01.2024 on the ground that the respondent no. 1 did not receive any notice and there was no intention on its part to cause unnecessary adjournment and delay in appropriate resolution of the environment issues involved in the case.

16. On perusal of the record it is found that no notice had been served on Secretary, Environment, Forest & Climate Change Department, Government of Uttar Pradesh and in view thereof I.A. No. 71/2024 is allowed and costs imposed on respondent no. 1 are waived.

17. The District Magistrate, Deoria has by his reply dated 07.02.2024 forwarded additional report of storm water drains and current operational status submitted by Mr. Pramod Kumar Gautam, Executive Engineer, Uttar Pradesh Jal Nigam (Nagriye). The relevant part of the same is reproduced below:-

> *"1-* यह कि नगर पालिका परिषद, देवरिया द्वारा पूर्व में बने हुए *RCC/ Brick Drain* छोटे-छोटे भागों में होने एवं समूचित *Drainage System (Slope)* में न होने के कारण वर्षा ऋतु के समय अत्यधिक वर्षा होने पर जनपद मुख्यालय स्थित विभिन्न कार्यालय- पुलिस लाइन, जजेज आवास, मेडिकल कालेज, जिलाधिकारी कार्यालय, राज्य अतिथि गृह इत्यादि में जल भराव हो जाता है।
>
> उक्त समस्या से निजात दिलाने हेतु जनहित मे मा0 मुख्यमंत्री उ०प्र० की घोषणा सं०- *Y.A.N- 07/2020* क्र०सं० *GHIIYOO1207* के क्रम में उ०प्र० शासन द्वारा प्रबन्ध निदेशक उ०प्र० जल निगम को जल निकासी की परियोजना तैयार कराकर प्राक्कलन उपलब्ध कराने हेतु दिनांक *19.11.2020* को निर्देशित किया गया नगर पालिका परिषद देवरिया के उपरोक्त कार्यालय / स्थानों पर जल निकासी हेतु ड्रेन का नगर पालिका परिषद देवरिया के भौगोलिक स्थिति एवं वर्तमान में कुर्ना नाले के भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए विस्तृत डी०पी०आर० बनाया गया।
>
> *2-* आर०सी०सी० स्टार्म वाटर ड्रेन का निर्माण कार्य खुला हुआ (*Open Channel)* किया जा रहा है तथा जहां-जहां पहुंच मार्ग (*Approach road)* है,

वहां पर *Box Culvert (*पुलिया की तरह) लिया गया है जिससे आवागमन में भी कोई बाधा उत्पन्न न हो। साथ ही साथ जहां-जहां घनी आबादी, *Commercial* भवनें (शहर में) है केवल वहीं पर नाले के ऊपर ढकने का प्राविधान किया गया है। अन्य समस्त स्थानों पर पुरा नाला *Uncovered* का *Provision* किया गया है तथा *Work Execution* के समय (जो पूर्ण हो चुके हैं अथवा प्रस्तावित निर्माण कार्य करना है।) भी इस बिन्दु का विशेष ध्यान दिया गया है कि केवल पहुंच मार्ग पर ही *Slab* से नाला ढका हो बाकी हिस्से में नाला *Open Channel (Uncovered)* ही बनाया गया है।

3- आर०सी०सी० स्टार्म वाटर ड्रेन (*Open Channel)* का निर्माण कार्य करते समय दोनों दीवार में *Weep Hole* बनाया गया है तथा दीवार के बाहर के तरफ *Weep Hole* का प्राविधान किया गया है तथा रोड़ के तरफ *Levelling & Dressing* कार्य करके *Compaction* कर दिया गया है एवं रोड के दुसरी तरफ *Back Filling* की गयी है।

4- वर्तमान में निर्माणाधीन *RCC Strom Water Drain (Open Channel)* कुर्ना नाले से कतरारी मोड तक *2200* मी०, मेडिकल कालेज से गोरखपुर देवरिया हाईवे तक *350* मी० पुलिस लाइन (दुर्गा मन्दिर) से गोरखपुर देवरिया हाईवे तक *650* मी*0* तक कुल *3200* मी*0* लम्बाई में पूर्ण किया जा चुका है। पूर्ण हो चुके नाला में नगर पालिका परिषद देवरिया द्वारा पहले से बने नाले को जोड़ दिया गया है जिससे वर्षा ऋतु के समय अत्यधिक वर्षा होने पर जल जमाव की समस्या से निजात मिल सके एवं विगत वर्षा ऋतु के समय जल जमाव से निजात भी मिला।

वर्तमान समय में नगर पालिका परिषद देवरिया में पहले से बने हुए नाले एवं पूर्ण हो चुके *RCC Strom Water Drain (Open Channel)* से उपरोक्त स्थानो का बरसाती पानी कुर्ना नाले में जाता है। तथा कुर्ना नाला से नकटा नाला में एवं नकटा नाला से राप्ती नदी में जाकर मिलता है। जिससे लगभग *35-38* कि०मी० दूरी (कुर्ना नाले से राप्ती नदी तक) तय करते हुए पानी नदी में गिरता है जिससे वर्षा का पानी क्षेत्र में अत्यधिक मात्रा में रास्ते मे ही *Seapage* हो जाता है जिससे भूमि का जल स्तर भी *Maintain* रहता है।

5- यह कि मा० अभिकरण के आदेश दिनांक *22.11.2023* के अनुपालन में उक्त परियोजना से सम्बन्धित कंक्रीटिंग कार्य पूर्णतया चंद है।

अतः प्रार्थना है कि मा० अभिकरण के अनुपालन में उपरोक्त तथ्य स्वीकार्य करते हुए जनहित में देवरिया *Storm Water Drainage (Open Channel)* परियोजना का कार्य पूर्ण करने हेतु अनुमति प्रदान किया जाये।।"

18. None has appeared for the applicant and the factual position as emerges from the report of the Joint Committee and responses filed by the respondents is not disputed/controverted by anyone.

19. We have heard learned Counsel for the respondents and gone through the material on record.

20. The Deoria city is located in Gangetic plain predominated by sandy loam soil which is susceptible to seepage. The geo-physical setting of the city results in serious water logging problem during monsoon. In view of the facts and circumstances of the case and the material on record, we are of the considered view that the project scheme of storm water drainage as designed/planned in Deoria for the control of water logging problems may be undertaken. However, slabs on the top should only be on those location/places where requirement/necessity of right of the way arises.

21. Keeping in view the ground realities and to ensure prevention and control of water logging problem in municipal limit of Deoria the following directions are given for strict compliance:-

i) The excavated soil need to be stored on a designated place to avoid its spread on road and prevent dust pollution.

ii) The water tankers should be in place for spraying water on the affected areas to prevent dust from being airborne.

iii) Steel sheet/netlon should be used on both sides of drain during soil excavation to prevent spread of dust in the area.

iv) The compensatory afforestation in lieu of 58 road side trees permitted for removal/denudation by Forest Department should be undertaken by DFO, Deoria with the amount of Rs. 10.47 lakh already allocated for the purpose. The compensatory afforestation with native species need to be done with the objective to develop a small biodiversity park at appropriate location in the area.

v) The plantation on both the banks of the storm water drain should be carried out by suitable grasses, shrubs and native trees including bamboo for the protection of banks from erosion and

enhancing aesthetic/scenic value of the drain. The DFO, Deoria is made nodal officer for this task and U.P State Jal Nigam is directed to provide necessary funds to DFO, Deoria for this purpose within one month of the demand raised by him.

vi) There should be foolproof mechanism to prevent mixing of municipal sewage into the storm water. The Regional Officer, Gorakhpur and Executive Officer, Municipal Council, Deoria are directed to ensure regular monitoring in this regard.

22. The original application is disposed of with the above mentioned directions while leaving the parties to bear their own costs.

23. A copy of this order be forwarded to the applicant and the Chief Secretary, State of Uttar Pradesh, the Secretary, Environment, Forest and Climate Change Department, Government of Uttar Pradesh, the District Magistrate, Deoria, the Executive Engineer, PWD, Deoria, the DFO, Deoria, the Executive Officer, Municipal Council, Deoria, the Executive Engineer, U.P. Jal Nigam, Deoria and the Member Secretary, State Pollution Control Board by email for information/requisite compliance.

Arun Kumar Tyagi, JM

Dr. Afroz Ahmad, EM

April 09th2024
AG